त्रि-भाषा फार्मूला में किसी प्रकार के परिवर्तन को लाने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

अलीगढ़ में अनाज क्रय केन्द्र

120. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अलीगढ़ जिले में पिछले वर्ष की भांति इस बार अनाज क्रय केन्द्र नहीं खोले गए है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या गत वर्ष और इस वर्ष विभिन्न सरकारी एवं सहकारी एजेंसियों द्वारा खोले गए ऐसे केन्द्रों की सूची सभा पटल पर रखी जाएगी ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) : (क) और (ख) : उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि 1977–78 के दौरान अलीगढ़ जिले में 90 क्रय केन्द्र खोले गए हैं जबकि पिछले वर्ष 106 केन्द्र खोले गए थे। उत्पादक पर लेवी बन्द करने के कारण इस वर्ष कम संख्या में केन्द्र खोले गए है। दो वर्षों के दौरान खोले गए क्रय केन्द्रों का ब्यौरा विवरण 1 और 2 मे दिया गया है, जो सभा पटल पर रखा गया है [ग्रन्थालय म रखा गया **देखिए** संख्या एल टी—299 77)]

अलीगढ़ म समाज कल्याण योजनाएं

121. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अलीगढ़ जिले में उनके मंत्रालय की कौन कौन सी मुख्य समाज कल्याण योजनाएं चल रही हैं, उन में कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं तथा अब तक उनकी क्या उपलब्धियां रही हैं; और

(ख) क्या इन योजनाओं को राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा हैं और यदि हां, तो उसमे उसका कितना अंश है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर) : (क) और (ख) : एक विवरण पत्र जिसमें अपेक्षित जानकारी दी गई है, सभा पटल पर रखा गया है [ग्रन्थालय में रखा गया **देखिए** संख्या एल टी 300/77]

गेहूं की पदावार

122. **श्री यज्ञदत्त शर्मा :**

श्री डी० डी० देसाई : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष गेहुं की पैदावार गत तीन वर्षों की तुलना मे कम हुई हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष कितनी मात्रा में पैदावार कम हुई ;

(ग) कम पैदावार होने के क्या कारण हैं ; और

(घ) सरकार क्या उपचारात्मक कदम उठाने का विचार कर रही है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) : (क) से (घ) : गेहूं का उत्पादन करने वाले सभी राज्यों से अभी तक उत्पादन के अनुमान प्राप्त नहीं हुए हैं। तथापि वर्तमान संकेतों के अनुसार 1976–77 के दौरान गेहूं के कुल उत्पादन में पिछले वर्ष के 283.4 लाख मीटरी टन के रिकार्ड स्तर से अधिक अंतर होने की आशा नहीं है। 1974–75

और 1973-74 की तुलना में, जबकि उत्पादन क्रमशः 241.0 लाख मीटरी टन और 217.8 लाख मीटर टन था, अब उत्पादन काफी अधिक होने की आशा है। उन कारणों में, जिनकी वजह से 1976–77 के दौरान फसल बुरी तरह प्रभावित हुई थी शीतकालीन वर्षा के आने में विलम्ब होना, शीताग्रस्त क्षेत्रों में पाला पड़ना, पंजाब और हरियाणा में ओलावृष्टि तथा अप्रैल, 1977 में बेमौसम बरसात होना शामिल है। तथापि उर्वरकों की बड़ी मात्रा में सप्लाई करने, कृषकों के पास सुगमता से पहुंचने वाले स्थानों पर उनकी उपलब्धि की व्यवस्था करने तथा फसल के मौसम की अवधारित अवधि के दौरान विद्युत की कमी को और कम करने के लिए उठाए कदमों से फसल उत्पादन पर मौसम का प्रतिकूल प्रभाव कम हो गया है।

भारतीय खाद्य निगम द्वारा की जाने वाली गेहूं की वसूली तथा उसका सप्लाई का मूल्य

123. **श्री यज्ञदत्त शर्मा :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय खाद्य निगम जिस मूल्य पर किसानों से गेहूं वसूल करता है तथा जिस मूल्य पर उपभोक्ताओं को बेचता है उसमें कितना अन्तर है ;

(ख) यह अन्तर कम करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) उससे क्या परिणाम निकले हैं ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) :(क) भारतीय खाद्य निगम और अन्य राज्य एजेंसियां 110 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य, जिसे भारत सरकार ने 1977–78 के लिए निर्धारित किया है, पर उचित औसत किस्म के गेहूं की खरीदारी कर रही है। भारतीय खाद्य निगम के डिपो पर 125 रुपए प्रति क्विंटल के निर्गम मूल्य पर केन्द्रीय भण्डार से राज्य सरकारों को सप्लाई की जाती है। इसमें राज्य सरकारें अपनी वितरण लागत जोड़ती हैं जिनमें कर, ढुलाई खर्च, थोक तथा खुदरा व्यापारियों का मुनाफा आदि शामिल होता है जोकि प्रत्येक राज्य में भिन्न-भिन्न होता है। इसलिए विभिन्न राज्यों में खुदरा मूल्य भिन्न-भिन्न है ।

(ख) और (ग) : भारतीय खाद्य निगम की वसूली तथा वितरण सम्बन्धी लागत को कम करने के लिए निरन्तर प्रयत्न किए जा रहे हैं। राज्य सरकारों से भी अपने खाद्यान्नों के सम्भालने की लागत को कम करने के लिए समय समय पर अनुरोध किया गया है। इसके फलस्वरुप वसूली मूल्य और उपभोक्ता द्वारा दिए गए खुदरा मूल्य के बीच के अन्तर में कुछ कमी हुई है।

वर्षा के कारण खेती को हुई क्षति

124. **श्री यज्ञदत्त शर्मा :**
श्री के० लकप्पा :

क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष देश के अनेक भागों में बेमौसम वर्षा हुई है :

(ख) यदि हां तो इस बेमौसम की वर्षा से खेती को कुल कितनी हानि पहुंची है ; और

(ग) क्या सरकार इस क्षति के लिए किसानों को राहत देने की कोई योजना बना रही है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) : (क) से (ग) राज्य